संस्कार भारती

हिन्दी नाटक
रक्त अभिषेक
(अहिंसा की हिंसा)

कथासार

अन्तिम मौर्य राजा बृहद्रथ के काल से संबंधित नाटक ***'रक्त अभिषेक'*** में, वर्तमान के लिए संदेश लेकर इतिहास सजीव हो उठता है।

राजा बृहद्रथ की अहिंसा में अंधश्रद्धा का उसकी सैनिक–रणनीति और निर्णय–क्षमता में प्रवेश, भारतीय सुरक्षा–तंत्र को अक्षम कर देता है, और वह यूनानी आक्रांता सिकन्दर की भारत में असफलता और सेक्यूलस की पराजय का बदला लेने के लिए, यूनानी राजा मिनेंडर के आक्रमण का माग प्रशस्त कर देता है। इस परिदृश्य में सेनापति पुष्यमित्र का अविर्भाव इतिहास को एक नया मोड़ देता है।

नाटककार और निर्देशक दया प्रकाश सिन्हा ने, दार्शनिक सिद्धान्त और कठोर यथार्थ, आदर्श और व्यावहारिक सत्य, अकर्म और कर्म तथा हिंसा और अहिंसा के भारतीय मानस के द्वन्द्व को गहन सघनता से रूपायित किया है।

'रक्त अभिषेक' नाटक अहिंसा के आधे–अधूरे ज्ञान पर हमें पुनर्विचार हेतु विवश करता है। अहिंसा की वास्तविक अवधारणा की अनभिज्ञता, अन्ततः हिंसा और भीषण रक्तपात की कारक होती है। ***'रक्त अभिषेक'*** उस आन्तरिक द्वन्द्व की गाथा है, जो वाह्य विपदा, अराजकता और संहार को जन्म देती हैं।

नाटककार

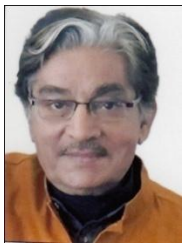

दया प्रकाश सिन्हा लब्धप्रतिष्ठ और ख्यातिप्राप्त नाटककार ह। नाटककार, निर्देशक और अभिनेता के रूप में वे रंगमंच से पिछले पचास वर्षों से संबद्ध रहे हैं। उनके नाटक देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में निर्धारित है, तथा उन पर अनेक अध्येता पी.एच.डी के लिए शोध कर चुके हैं। उनके नाटक अन्य भारतीय भाषाओं में अनुवादित हैं, तथा भारत के अनेक नगरों में, और विदेशों में भी मंचस्थ होते रहे हैं। दया प्रकाश सिन्हा के अन्य प्रतिष्ठित नाटक हैं – **'कथा एक कंस की', 'सम्राट अशोक', 'इतिहास–चक्र', 'सीढ़ियां', 'मेरे भाई : मेरे दोस्त'** आदि।

भारतीय रंगमंच के क्षेत्र के श्रेष्ठमत सम्मानों से दया प्रकाश सिन्हा विभूषित हो चुके हैं, जिनमें **'संगीत नाटक अकादमी अवार्ड', 'लाइफटाइम अचीवमेंट इन थियेटर' के लिए 'चमनलाल मेमोरियल अवार्ड; एन.बी. सी. न्यूज मेकर्स, मुम्बई का 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड इन लिटरेचर; हिन्दो संस्थान, लखनऊ का 'लोहिया सम्मान; हिन्दी विश्वज्योति, कैलोफोर्निया, यू.एस.ए का 'लाइफटाईम अचीवमेंट अवार्ड फॉर हिन्दी'** आदि उल्लेखनीय ह।

मंच पर

मिनेंडर	:	*जितेन्द्र हांडा*
टाइटस	:	*रोहित त्रिपाठी*
हेलिओडोरस	:	*राहुल गुप्ता*
बृहद्रथ	:	*अमित सक्सेना*
पुष्यमित्र शुंग	:	*भानु प्रताप सिंह*
अंटोनिया	:	*तृप्ति जौहरी*
बटुक / प्रजामुख 2	:	*प्रवीण कुमार भारती*
पतंजलि	:	*शरद खरे*
वीरसेन	:	*सुरजीत सिंह*
शीलभद्र	:	*रवि कुमार श्रीवास्तव*

सैनिक 1,2,3 और 4	:	*नितिन खोलिया, जितेन्द्र हांडा, विकास नेगी, सौरभ मित्रा*
प्रजाप्रमुख 1	:	*प्रवीण कुमार भारती*
मनिपुरी नृत्य	:	*अनिल सिंह, महासुर सिंह, विश्वजीत सिंह*

मंच परे

प्रकाश संयोजन	:	*राजनारायण दीक्षित*
मंच सज्जा	:	*डा. सत्य प्रकाश / रवि कुमार श्रीवास्तव*
संगीत	:	*मुकेश झा*
रूप सज्जा	:	*हरीश खोलिया, नितिन खोलिया, प्रवीण कुमार भारती*
वस्त्र–सज्जा	:	*डालचन्द,*
मंच सामग्री	:	*राहुल गुप्ता, नितिन खोलिया*
प्रस्तुति नियंत्रक	:	*डा. सत्यप्रकाश, प्रवीण कुमार भारती*
सहायक निर्देशक	:	***रोहित त्रिपाठी***

लेखक एवं निर्देशक

दया प्रकाश सिन्हा